जगद्गुरु श्रील प्रभुपाद जी द्वारा प्रवर्तित

विशुद्ध सारस्वत

श्रीचैतन्य पंजिका

२०२४ - २५

श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ, नवद्वीप

श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के संस्थापक आचार्य

श्रीश्रीमद् भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज जी

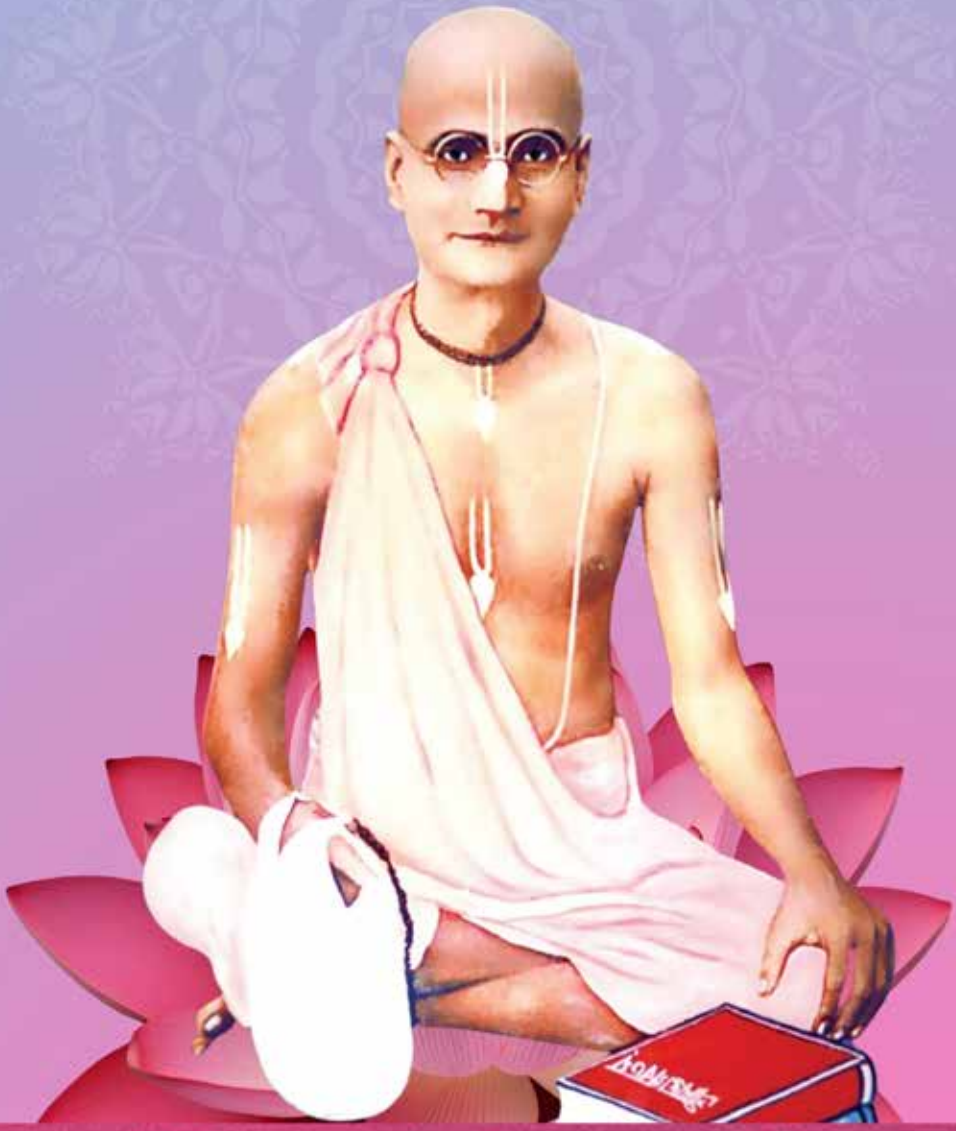

श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ, नवद्वीप

श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के पूर्व आचार्य

श्रीश्रीमद् भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराज जी

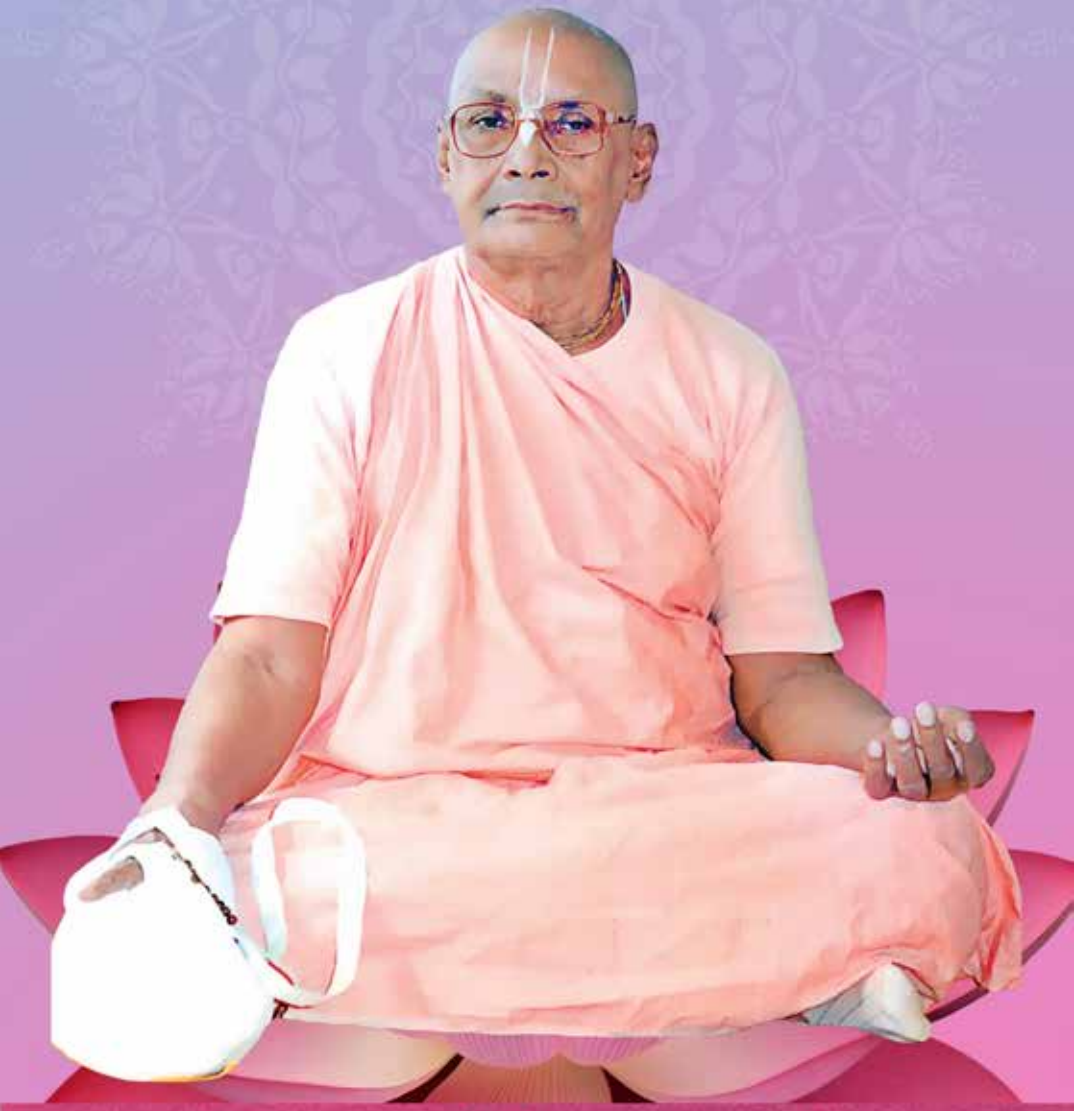

श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ, नवद्वीप

Sri Devananda
Gaudiya Math,
Navadwipa

Sri Gaudiya
Vedanta Samiti

Ekadashi Alerts
9888576874

श्रीश्रीगुरु-गौरांगौ जयतः

श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के प्राक्तन सभापति-आचार्य
नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद् भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराज जी
की संकीर्तन सेवा-अध्यक्षता में प्रकाशित

विशुद्ध सारस्वत

श्रीचैतन्य-पंजिका

(हरिभक्तिविलास, सूर्य-सिद्धान्त एवं पूर्वांचल-पश्चिमांचल गणना पर आधारित)

श्रीगौराब्द — 538
श्रीकेशवाब्द — 126-127
श्रीसारस्वताब्द — 150-151
श्रीभक्तिविनोदाब्द — 185-186

खृस्ताब्द — 2024-2025
बंगाब्द — 1430-1431
विक्रमसमवत् — 2080-2081
श्रीकृष्णाब्द — 5249-5250

विष्णु – 538 (29 दिन)			
1	26 मार्च	मंगलवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 9.43 से पहले श्रीश्रीगौर-जयन्ती व्रत उपवास का पारण। श्रीजगन्नाथ मिश्रजी का आनन्दोत्सव।
3	28 मार्च	गुरुवार	कुमारहट्ट में श्रील ईश्वरपुरीपाद जी के श्रीपाट में श्रीमन् महाप्रभु जी का आगमन-उत्सव।
5	30 मार्च	शनिवार	श्रीश्रीकृष्ण की पंचम दोलयात्रा। चम्पकहट्ट में उत्सव। श्रीश्रील प्रभुपाद-अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति शरण शान्त गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
8	2 अप्रैल	मंगलवार	श्रील श्रीवास पण्डित जी का आविर्भाव।
11	5 अप्रैल	शुक्रवार	**पापमोचनी एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—शुक्रवार सुबह 09.43 से शनिवार प्रातः 07.23 तक; तुलसी चयन निषेध है।)
12	6 अप्रैल	शनिवार	प्रातः 07.23 से पहले पारण। श्रीचैतन्य महाप्रभु जी का वराह नगर में शुभ-विजय स्मरण उत्सव। श्रील गोविन्द घोष ठाकुर का तिरोभाव।
14	8 अप्रैल	सोमवार	**अमावस्या।** आकाइहाट श्रीश्रील कृष्णदास ठाकुर का तिरोभाव।

— एकादशी-व्रत पारण मन्त्र —

तव प्रसाद-स्वीकारात् कृतं यत् पारणं मया।
व्रतेनानेन सन्तुष्टः स्वस्तिं भक्तिं प्रयच्छ मे॥

15	9 अप्रैल	मंगलवार	विक्रमसम्वत् 2081 चान्द्रवर्ष आरम्भ।
19	13 अप्रैल	शनिवार	जगद्गुरु श्रीश्रील रामानुजाचार्य जी का आविर्भाव। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति हृदय वन गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव। **श्रीकेशव – व्रत आरम्भ।** (तुलसीजी में जलधारा प्रदान।)
20	14 अप्रैल	रविवार	यमुना षष्ठी। यमुना जी की प्राकट्य तिथि।
21	15 अप्रैल	सोमवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विलास तीर्थ गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
23	17 अप्रैल	बुधवार	**श्रीरामनवमी व्रतोपवास।** श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति सौध आश्रम गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव। त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति वल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
24	18 अप्रैल	गुरुवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 9.31 से पहले पारण।
25	19 अप्रैल	शुक्रवार	**कामदा एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—शुक्रवार रात्रि 08.56 से शनिवार रात्रि 10.58 तक; तुलसी चयन निषेध)।
26	20 अप्रैल	शनिवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 09.30 से पहले पारण। श्रीकृष्ण का दमनकारोपण – उत्सव।
29	23 अप्रैल	मंगलवार	**पूर्णिमा।** श्रीश्रीकृष्ण की बसन्त रास। श्रीश्रीबलदेवजी की रासयात्रा। श्रीश्रील वंशीवदनानन्द ठाकुर एवं श्रीश्रील श्यामानन्द प्रभु का आविर्भाव। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विलास भारती गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।

मधुसूदन – 31 दिन			
6	29 अप्रैल	सोमवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित श्रील कृष्णदास बाबाजी महाराज का तिरोभाव। *(नन्दगाँव में मूल समाधि)।*
7	30 अप्रैल	मंगलवार	श्रीश्रील अभिराम ठाकुर का तिरोभाव। श्रीश्रील प्रभुपाद – पार्षद त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्तिकुमुद सन्त गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव *(षष्ठी बिद्धा हेतु)*।
9	2 मई	गुरुवार	त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्तिवल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
10	3 मई	शुक्रवार	श्रीश्रील वृन्दावन दास ठाकुर का तिरोभाव।
11	4 मई	शनिवार	**वरुथिनी एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—शनिवार शाम 5.51 से रविवार दोपहर 3.24 बजे तक; तुलसी चयन निषेध।)
12	5 मई	रविवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 09.25 से पहले पारण।

15	8 मई	बुधवार	वैशाख **अमावस्या**। श्रीश्रील गदाधर पण्डित गोस्वामी का आविर्भाव। श्रीश्रील शुकदेव गोस्वामी जी का आविर्भाव।
16	9 मई	गुरुवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्त्यालोक परमहंस गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
17	10 मई	शुक्रवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विचार यायावर गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
18	11 मई	शनिवार	**अक्षय – तृतीया**। श्रीश्रीजगन्नाथदेव की 21 दिवस – व्यापी चंदनयात्रा आरम्भ। चार धाम के अन्तर्गत श्रीबद्रीनाथ जी के द्वार उद्‌बोधन। **श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति का 84वां स्थापना दिवस महोत्सव**। श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ, नवद्वीप एवं तत्शाखा मठों में महोत्सव। (तृतीय विद्धाहेतु)। श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति सौध आश्रम गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
19	12 मई	रविवार	श्रीपाद शंकराचार्य जी का आविर्भाव। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित श्रीमद् भक्ति विलास गभस्तिनेमि गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
21	14 मई	मंगलवार	**श्रीकेशव – व्रत समाप्त।**
22	15 मई	बुधवार	जन्हु – सप्तमी। श्रीश्रीजाह्नवी पूजा।
24	17 मई	शुक्रवार	श्रीनित्यानन्द – शक्ति—श्रीजाह्नवा देवी एवं श्रीराम – शक्ति श्रीसीता देवी का आविर्भाव। श्रीमधु पण्डित का तिरोभाव।
26	19 मई	रविवार	**मोहिनी एकादशी – उपवास**। (द्वादशी—रविवार दोपहर 1.24 से सोमवार दोपहर 3.17 बजे तक; तुलसी चयन निषेध)
27	20 मई	सोमवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 9.22 से पहले पारण।
29	22 मई	बुधवार	**श्रीश्रीनृसिंह – चतुर्दशी व्रत उपवास**।
30	23 मई	गुरुवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 9.22 से पहले पारण। **बुद्ध पूर्णिमा**। श्रीकृष्ण का फूलदोल और सलिल विहार (श्रीरामकृष्ण देव एवं श्री मदनमोहन जी का नरेन्द्र सरोवर, श्रीजगन्नाथपुरी में नौका विहार)। श्रीश्रीराधारमणदेव जी की प्राकट्य तिथि। श्रील परमेश्वरी दास ठाकुर का तिरोभाव। श्रील श्रीनिवास आचार्य का आविर्भाव। श्रीमाधवेन्द्रपुरीपाद जी का आविर्भाव।

84वां स्थापना दिवस

त्रिविक्रम – 30 दिन			
1	24 मई	शुक्रवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति

			सारंग गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
3	26 मई	रविवार	आसाम प्रदेश के गौड़ीय वैष्णवाचार्य श्रीश्रील प्रभुपाद-अनुकम्पित श्रील निमानन्द सेवातीर्थ प्रभु का आविर्भाव।
5	28 मई	मंगलवार	श्रीगौर-पार्षद श्रील राय रामानन्द प्रभु का तिरोभाव।
10	2 जून **दशमी = 1 जून प्रातः 06.09 से 2 जून भोर 03.41 तक** **एकादशी आरम्भ = 2 जून भोर 3.41 से** **Cut off time = 2 जून भोर 3.41 + 1 घण्टा 36 मिनट (अरुणोदय काल) = प्रातः 05.17**	रविवार	आज जिन क्षेत्रों में सूर्योदय का समय प्रातः 05.17 के बाद है वहाँ अर्थात् **पश्चिम अंचल में आज अपरा एकादशी – उपवास है**। उदाहरण जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चण्डीगढ़, वृन्दावन, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्णाटक, केरल, तमिल नाडू आदि। (द्वादशी—रविवार अर्द्धरात्रि पश्चात् 01.17 से सोमवार रात्रि 11.02 तक; तुलसी चयन निषेध)। और आज बंगाल, आसाम आदि जिन पूर्वी क्षेत्रों में सूर्योदय का समय प्रातः 05.17 या उससे पहले है वहाँ अरुणोदय काल में दशमी स्पर्श कर रही है अर्थात् वहाँ एकादशी दशमी-बिद्धा (अशुद्ध) है। अतः वहाँ आज नहीं, बल्कि कल सोमवार, 3 जून को व्रत किया जायेगा।
11	3 जून	सोमवार	सूर्योदय के बाद पूर्वाह्ण (सुबह) 10.19 से पहले पारण। **पूर्वांचल में आज अपरा एकादशी – उपवास है।**
12	4 जून	मंगलवार	सूर्योदय के बाद पूर्वाह्ण (सुबह) 9.22 से पहले पारण। श्रीश्रील वृन्दावन दास ठाकुर का आविर्भाव।
14	6 जून	गुरुवार	**अमावस्या**।
23	15 जून	शनिवार	श्रीश्रील बलदेव विद्याभूषण प्रभु का तिरोभाव।
24	16 जून	रविवार	1 आषाढ़। श्रीश्रीगंगा देवी का आविर्भाव। श्रीश्रीगंगा पूजा। दशहरा। श्रीश्रीगंगा माता गोस्वामिनी जी का तिरोभाव।
26	18 जून	मंगलवार	**व्यंजुली महाद्वादशी – उपवास**। (द्वादशी—मंगलवार प्रातः 04.40 से बुधवार प्रातः 05.52 तक; तुलसी चयन निषेध है)।
27	19 जून	बुधवार	सुबह सूर्योदय के बाद प्रातः 5.52 से पहले पारण।
28	20 जून	गुरुवार	श्रीपाट पानिहाटि में श्रीश्रील रघुनाथदास गोस्वामी जी द्वारा प्रदत्त दही-चिड़वा महोत्सव।
30	22 जून	शनिवार	**श्रीश्रीजगन्नाथदेव की स्नान यात्रा**। पूर्णिमा। श्रील मुकुन्ददत्त (दाँइहाट) एवं श्रील श्रीधर पण्डित का तिरोभाव। श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के अन्तर्गत श्रीपिछलदा गौड़ीय मठ एवं शिलचर गौड़ीय मठ का वार्षिक महोत्सव। सुबह 08.45 के बाद **अम्बुवाची आरम्भ**। (इस समय से

			अम्बुवाची – समाप्ति तक भूमि की खुदाई नहीं करनी चाहिए)।

वामन – 29 दिन			
1	23 जून	रविवार	श्रीश्रील श्यामानन्द प्रभु का तिरोभाव।
3	25 जून	मंगलवार	रात्रि 9.08 के बाद **अम्बुवाची समाप्त**।
4	26 जून	बुधवार	श्रीगौरपार्षद श्रील वक्रेश्वर पण्डित का तिरोभाव।
7	29 जून	शनिवार	श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित श्रीमथुरानाथ दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव।
9	1 जुलाई	सोमवार	श्रीगौरपार्षद श्रील श्रीवास पण्डित का तिरोभाव।
10	2 जुलाई	मंगलवार	**योगिनी एकादशी – उपवास**। (द्वादशी—मंगलवार सुबह 08.50 से बुधवार सुबह 07.03 बजे तक; तुलसी चयन निषेध)
11	3 जुलाई	बुधवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 07.03 से पहले पारण।
13	5 जुलाई	शुक्रवार	**अमावस्या**। श्रीश्रील गदाधर पण्डित गोस्वामी एवं श्रीश्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुर जी का तिरोभाव।
14	6 जुलाई	शनिवार	श्रीश्रीजगन्नाथदेव का **गुण्डिचा मन्दिर मार्जन**।
15	7 जुलाई	रविवार	**श्रीश्रीजगन्नाथदेव की रथयात्रा**। श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के अन्तर्गत श्रीधाम नवद्वीप, चुँचुड़ा, शिलिगुड़ी, कूचबिहार, वासुगाँव, कोरण्ट, राधामणि, वैद्यवाटी, हरिद्वार और दुर्गापुर स्थित शाखा मठों में रथयात्रा महोत्सव। **किन्त्विदृग् भक्तिसन्दर्शी जगन्नाथानुसारतः।** **दोला – चन्दन – कीलाल – रथयात्राश्च कारयेत्।।** —(ह:भ:वि:) श्रीश्रील स्वरूप दामोदर गोस्वामी जी एवं श्रीश्रील शिवानन्द सेन जी का तिरोभाव।
19	11 जुलाई	गुरुवार	हेरा – पंचमी (उत्कल मत अनुसार)। श्रीश्रीलक्ष्मी – विजय उत्सव।
23	15 जुलाई	सोमवार	**श्रीश्रीजगन्नाथदेव की पुनर्यात्रा**। श्रीश्रीरथयात्रा महोत्सव समाप्त।
24	16 जुलाई	मंगलवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति कमल मधुसूदन गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
25	17 जुलाई	बुधवार	**शयन एकादशी – उपवास**। (द्वादशी—बुधवार सायं 6.12 से गुरुवार सायं 6.27 तक; तुलसी चयन निषेध है)।
26	18 जुलाई	गुरुवार	सुबह 09.31 से पहले पारण। द्वादशी आरम्भ पक्ष से चातुर्मास्य व्रत आरम्भ।
29	21 जुलाई	रविवार	**गुरु पूर्णिमा**। श्रील सनातन गोस्वामी प्रभु का तिरोभाव। श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित श्रीमथुरामोहन दास बाबाजी

			महाराज का आविर्भाव। **पूर्णिमा आरम्भ पक्ष से चातुर्मास्य व्रत आरम्भ।** श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के त्रिदण्डि-संन्यासिगण एवं गृहस्थ भक्तों के लिए चातुर्मास्य व्रत आरम्भ। *(व्रत पालन विधि की विस्तृत जानकारी के लिए श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ से प्रकाशित 'श्रीहरिवासर व्रतकथा' हिन्दी ग्रन्थ देखिए)।*

श्रीधर – 29 दिन			
1	22 जुलाई	सोमवार	श्रीगौरपार्षद श्रील प्रबोधानन्द सरस्वतीपाद का तिरोभाव।
2	23 जुलाई	मंगलवार	श्रीश्रील प्रभुपाद-अनुकम्पित : त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति हृदय वन गोस्वामी महाराज जी एवं त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति सौरभ भक्तिसार गोस्वामी महाराज का तिरोभाव।
5	26 जुलाई	शुक्रवार	श्रीगौरपार्षद श्रील गोपालभट्ट गोस्वामी जी का तिरोभाव।
7	28 जुलाई	रविवार	श्रीगौरपार्षद श्रील लोकनाथ गोस्वामी जी का तिरोभाव।
10	31 जुलाई	बुधवार	**कामिका एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—बुधवार सायं 5.22 से गुरुवार सायं 4.19 तक; तुलसी चयन निषेध है)।
11	1 अगस्त	गुरुवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 9.33 से पहले पारण।
14	4 अगस्त	रविवार	**अमावस्या।** श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति रक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
18	8 अगस्त	गुरुवार	श्रीश्रील रघुनन्दन ठाकुर एवं श्रीश्रील वंशीदास बाबाजी महाराज का तिरोभाव।
26	16 अगस्त	शुक्रवार	**श्रीश्रीराधा गोविन्द जी की झूलन यात्रा आरम्भ। पवित्रारोपणी एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—शुक्रवार प्रातः 06.05 से शनिवार प्रातः 05.19 तक; तुलसी चयन निषेध)
27	17 अगस्त	शनिवार	पूर्वांचल में सूर्योदय के बाद प्रातः 05.19 से पहले पारण। पश्चिम अंचल में सूर्योदय के बाद प्रातः 10.13 से पहले पारण। *(ध्यान रहे, शास्त्रों में सूर्योदय से पहले पारण करना निषिद्ध है, इसलिए व्रत का पारण सूर्योदय के बाद ही करना है।)* श्रीकृष्ण का पवित्रारोपण-उत्सव। श्रील रूप गोस्वामी जी, श्रीगौरीदास पण्डित गोस्वामी जी एवं श्रील गोविन्द दास पण्डित गोस्वामी का तिरोभाव।
29	19 अगस्त	सोमवार	**श्रीश्रीबलदेव जी का आविर्भाव उपवास। पूर्णिमा।** श्रीश्रीराधागोविन्दजी की झूलनयात्रा समाप्त। रक्षा बन्धन।

हृषीकेश – 30 दिन			
1	20 अगस्त	मंगलवार	सूर्योदय के बाद प्रातः 09.33 से पहले पारण। श्रीश्रील

			प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विलास तीर्थ गोस्वामी महाराज (श्रीकुञ्जबिहारी विद्याभूषण) जी का तिरोभाव।
8	27 अगस्त	मंगलवार	**श्रीश्रीकृष्ण – जन्माष्टमी व्रत – उपवास।** श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विकाश हृषीकेश गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
9	28 अगस्त	बुधवार	**श्रीनन्दोत्सव।** पूर्वांचल में **सूर्योदय के बाद** प्रातः 05.23 से पहले पारण। पश्चिम अंचल में **सूर्योदय के बाद** सुबह 10.14 से पहले पारण। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति वेदान्त स्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
11	30 अगस्त	शुक्रवार	**पक्षवर्द्धिनी महाद्वादशी उपवास।** (द्वादशी—शुक्रवार भोर 03.46 से शनिवार भोर 03.43 तक; तुलसी चयन निषेध है)।
12	31 अगस्त	शनिवार	प्रातः 09.32 से पहले पारण।
15	3 सितम्बर	मंगलवार	**अमावस्या।**
19	7 सितम्बर	शनिवार	श्रीअद्वैत – पत्नी — श्रीसीता देवी जी का आविर्भाव।
22	10 सितम्बर	मंगलवार	श्रीललिता सप्तमी।
23	11 सितम्बर	बुधवार	**श्रीश्रीराधाष्टमी व्रत।** (आविर्भाव दोपहर 12 बजे)।
27	15 सितम्बर	रविवार	**श्रवणा – महाद्वादशी / विजया महाद्वादशी एवं श्रीवामन – द्वादशी उपवास।** श्रीश्रील जीव गोस्वामी प्रभु का आविर्भाव। (द्वादशी— शनि सायं 4.33 से रवि दोपहर 3.02 बजे तक; तुलसी चयन निषेध)।
28	16 सितम्बर	सोमवार	सुबह 09.30 से पहले पारण। ॐ **विष्णुपाद श्रीश्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुर का आविर्भाव।**
29	17 सितम्बर	मंगलवार	नामाचार्य श्रील हरिदास ठाकुर का तिरोभाव।
30	18 सितम्बर	बुधवार	**पूर्णिमा।** श्रीश्रीविश्वरूप महोत्सव।

पद्मनाभ – 29 दिन			
2	20 सितम्बर	शुक्रवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विलास तीर्थ गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
5	23 सितम्बर	सोमवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति श्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
10	28 सितम्बर	शनिवार	**इन्दिरा एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—शनिवार सायं 4.55 से रविवार सायं 5.54 तक; तुलसी चयन निषेध)।
11	29 सितम्बर	रविवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 9.29 से पहले पारण।

14	2 अक्तूबर	बुधवार	**अमावस्या।**
19	7 अक्तूबर	सोमवार	श्रीश्रील प्रभुपाद-पार्षद त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति प्रमोद पुरी गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव। (चतुर्थी अहोरात्र)।
25	13 अक्तूबर	रविवार	**विजयदशमी। भगवान् श्रीश्रीरामचन्द्र जी का शुभ विजय महोत्सव।** जगद्गुरु श्रीश्रील मध्वाचार्य जी का आविर्भाव। श्रीश्रील प्रभुपाद-अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति स्वरूप दामोदर गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
26	14 अक्तूबर	सोमवार	**पापांकुशा एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—मंगलवार भोर 02.26 से मंगलवार अर्द्धरात्रि 12.22 तक; तुलसी चयन निषेध)। श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी, श्रील रघुनाथभट्ट गोस्वामी एवं श्रील कृष्णदास कविराज गोस्वामी जी का तिरोभाव। द्वादशी आरम्भ पक्ष से कार्तिकव्रत, दामोदरव्रत, ऊर्ज्जाव्रत व नियमसेवा आरम्भ।
27	15 अक्तूबर	मंगलवार	प्रातः 09.28 से पहले पारण।
29	17 अक्तूबर	गुरुवार	**पूर्णिमा।** श्रीश्रीराधाकृष्ण की शारदीय रासयात्रा। पूर्णिमा आरम्भ पक्ष से कार्तिक व्रत, दामोदर व्रत, ऊर्ज्जाव्रत व नियम सेवा आरम्भ। श्रीमुरारी गुप्त जी का तिरोभाव। **श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के संस्थापक – आचार्य श्रील प्रभुपाद – अंतरंग – पार्षद आचार्य – भास्कर जगद्गुरु नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद् भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज जी का 56वां वर्ष पूर्ति विरह – महोत्सव।** श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ एवं समस्त शाखा मठों में तिरोभाव महोत्सव। आज अर्थात् 30 आश्विन (संक्रान्ति) से 30 कार्तिक (संक्रान्ति) तक एक मास व्यापी **आकाश दीपदान।** **दीपदान – मन्त्र—** **दामोदराय नभसि तुलायां लोलया सह।** **प्रदीपन्ते प्रयच्छामि नमोऽनन्ताय वेधसे।।** - (ह:भ:वि:)

आकाश दीपदान आरम्भ

दामोदर – 30 दिन

1	18 अक्तूबर	शुक्रवार	श्रीश्रील प्रभुपाद-अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति गौरव वैखानस गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।

3	20 अक्तूबर	रविवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति श्रीरूप पुरी गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
5	22 अक्तूबर	मंगलवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति कुशल नारसिंह गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
6	23 अक्तूबर	बुधवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विचार यायावर गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
7	24 अक्तूबर	गुरुवार	श्रीश्रील नरोत्तम ठाकुर का तिरोभाव।
8	25 अक्तूबर	शुक्रवार	**श्रीराधाकुण्ड की प्राकट्य तिथि। बहुलाष्टमी।** श्रीश्रील गदाधर दास ठाकुर जी का तिरोभाव।
9	26 अक्तूबर	शनिवार	श्रीश्रील वीरचन्द्र प्रभु का आविर्भाव। श्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव एवं पूज्यपाद सखीचरण दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव।
11	28 अक्तूबर	सोमवार	**रमा एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—सोमवार सुबह 09.08 से मंगलवार सुबह 10.57 तक; तुलसी चयन निषेध)।
12	29 अक्तूबर	मंगलवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 09.29 से पहले पारण। श्रीगौरांग महाप्रभु जी की श्रीपाट पाणिहाटी में शुभ विजय। श्रीखण्ड वासी श्रील नरहरि सरकार ठाकुर का तिरोभाव।
13	30 अक्तूबर **त्रयोदशी**	बुधवार	**यम – दीपदान।** *दीपदान मन्त्र (हरिभक्तिविलास)* — **कार्त्तिके कृष्णपक्षे तु त्रयोदश्यां निशामुखे। यमदीपं बहिर्दद्दादपमृत्युर्विनश्यति।। मृत्युना पाशदण्डाभ्यां कालः श्यामलया सह। त्रयोदश्यां दीपदानात् सूर्यजः प्रियतामिति।।**
14	31 अक्तूबर	गुरुवार	चतुर्दशी। श्रीविष्णु मन्दिर में 14 दीपदान।
15	1 नवम्बर	शुक्रवार	**अमावस्या। दीपान्विता, दिपावली।** श्रीविष्णु मन्दिर में दीपदान।
16	2 नवम्बर	शनिवार	पूर्वाह्ण (सुबह) में **श्रीगोवर्धन पूजा, अन्नकूट महोत्सव। गो – पूजा।** श्रीबलि दैत्यराज पूजा। **श्रीकृष्णदासवर्योऽयं श्रीगोवर्धन – भूधरः। शुक्लप्रतिपदि प्रातः कार्तिकेऽच्चर्योऽत्र वैष्णवैः।। प्रातर्गोवर्धनं पूज्य रात्रौ जागरणं चरेत्।** – (हः भः विः) श्रील सनातन गोस्वामी जी की टीका, – ''श्रीगोवर्धनपूजा च शुक्लप्रतिपत् – प्रभाते वैष्णवैरवश्यं कार्या।'' श्रीश्रील रसिकानन्द प्रभु का आविर्भाव। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति कुसुम श्रमण गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
17	3 नवम्बर	रविवार	श्रीगौरपार्षद श्रील वासुदेव घोष ठाकुर का तिरोभाव। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति

			सर्वस्व गिरी गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
18	4 नवम्बर	सोमवार	**श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के प्राक्तन सभापति – आचार्य श्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद् भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराज जी का 20वां वार्षिक विरह – महोत्सव।** त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति वेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव। श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ एवं श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के अन्य शाखा मठों में वार्षिक विरह महोत्सव।
19	5 नवम्बर	मंगलवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति वेदान्त स्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
20	6 नवम्बर	बुधवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति श्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
23	9 नवम्बर	शनिवार	**श्रीगोपाष्टमी एवं गोष्ठाष्टमी।** गो – पूजा एवं गो – ग्रास दान। श्रील गदाधर दास गोस्वामी, श्रील धनञ्जय पण्डित एवं श्रील श्रीनिवास आचार्य प्रभु का तिरोभाव।
26	12 नवम्बर	मंगलवार	**उत्थान एकादशी उपवास।** (द्वादशी—मंगलवार दोपहर 12.18 से बुधवार सुबह 09.57 तक; तुलसी चयन निषेध)। परमहंस श्रीश्रील गौरकिशोरदास बाबाजी महाराज का तिरोभाव एवं श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव। श्रीभीष्मपंचक।
27	13 नवम्बर	बुधवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 09.32 से पहले पारण। श्रीहरिउत्थान। द्वादशी आरम्भ पक्ष से कार्तिक व्रत, दामोदरव्रत, ऊर्ज्जाव्रत और चातुर्मास्य व्रत समाप्त।
29	15 नवम्बर	शुक्रवार	**पूर्णिमा।** श्रीश्रीराधाकृष्ण की हैमन्तिक रासयात्रा। श्री निम्बार्क आचार्य (कुमार सम्प्रदाय) का आविर्भाव। श्रील भूगर्भ गोस्वामी एवं श्रील काशीश्वर पण्डित का तिरोभाव। **पूर्णिमा आरम्भ पक्ष से कार्तिक व्रत, दामोदरव्रत, ऊर्ज्जाव्रत, चातुर्मास्य व नियम सेवा समाप्त।** श्रीचैतन्य महाप्रभु जी की श्रीवृन्दावन आगमन जयन्ति। श्रीमती तुलसी महारानी जी की प्राकट्य तिथि। भगवान् विष्णु का मत्स्य अवतार प्राकट्य। श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति प्रमोद पुरी गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव (चतुर्दशी विद्धा हेतु)।

केशव – 30 दिन			
1	16 नवम्बर	शनिवार	श्रीकात्यायनी व्रत आरम्भ। श्रीश्रील सुन्दरानन्द ठाकुर का तिरोभाव। **आकाश दीपदान** समाप्त।
5	20 नवम्बर	बुधवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विकाश हृषीकेश गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
7	22 नवम्बर	शुक्रवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति सम्बन्ध तुर्याश्रमी गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
11	26 नवम्बर	मंगलवार	**उत्पन्ना एकादशी उपवास।** (द्वादशी—बुधवार भोर 03.56 से गुरुवार प्रात: 06.02 तक; तुलसी चयन निषेध)।
12	27 नवम्बर	बुधवार	सुबह **10.28 के बाद** पारण। श्रील कालाकृष्णदास (बड़गाछि) का तिरोभाव।
14	29 नवम्बर	शुक्रवार	श्रीगौरपार्षद श्रील सारंग ठाकुर का तिरोभाव।
16	1 दिसम्बर	रविवार	**अमावस्या।** श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित श्रीजगबन्धु भक्ति रञ्जन प्रभु का तिरोभाव।
18	4 दिसम्बर	बुधवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति जीवन जनार्दन गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
22	7 दिसम्बर	शनिवार	पुरी में श्रीश्रीजगन्नाथदेव की **उड़न – षष्ठी**। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति स्वरूप दामोदर गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
24	9 दिसम्बर	सोमवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति कमल मधुसूदन गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव। श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति जीवन जनार्दन गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव। (सप्तमी विद्धा हेतु)। सूर्यकुण्ड – वासी श्रीमधुसूदनदास बाबाजी महाराज का तिरोभाव।
26	11 दिसम्बर	बुधवार	गीता जयन्ति। **मोक्षदा एकादशी – उपवास**। (द्वादशी—बुधवार रात्रि 10.37 से गुरुवार रात्रि 8.20 तक; तुलसी चयन निषेध)। श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति कुसुम श्रमण गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
27	12 दिसम्बर	गुरुवार	सुबह सूर्योदय के बाद 09.45 से पहले पारण।
30	15 दिसम्बर	रविवार	**पूर्णिमा।** श्रीश्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुर – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति प्रदीप तीर्थ गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।

नारायण – 29 दिन			
4	19 दिसम्बर	गुरुवार	**जगद्गुरु परमहंसस्वामी वैष्णवाचार्य कुल – शिरोमणि ॐ विष्णुपाद 108श्री श्रीमद् भक्ति सिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद जी का 87वां वार्षिक विरह महोत्सव।**

9	24 दिसम्बर	मंगलवार	**श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के प्राक्तन सभापति – आचार्य श्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद 108श्री श्रीमद् भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराज जी की 103 वीं वर्ष पूर्ति आविर्भाव तिथि – पूजा। श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ एवं श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के अन्य सभी शाखा मठों में श्रीव्यास पूजा महोत्सव।** त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति वेदान्त नारायण गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
11	26 दिसम्बर	गुरुवार	**सफला एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—गुरुवार रात्रि 11.49 से शुक्रवार अर्द्धरात्रि पश्चात् 01.34 तक; तुलसी चयन निषेध)। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति प्रकाश अरण्य गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
12	27 दिसम्बर	शुक्रवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 09.53 से पहले पारण। श्रीदेवानन्द पण्डित का तिरोभाव। श्रीधाम नवद्वीप स्थित श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ में विरह महोत्सव। श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति भूदेव श्रौती गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव। श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद् भक्ति मयूख भागवत गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
13	28 दिसम्बर	शनिवार	श्रीश्रील महेश पण्डित एवं श्रीश्रील उद्धारण दत्त ठाकुर का तिरोभाव। चुँचुड़ा (बंगाल) स्थित श्रीउद्धारण गौड़ीय मठ में विरह उत्सव।
15	30 दिसम्बर	सोमवार	**अमावस्या।** श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति सौरभ भक्तिसार गोस्वामी महाराज का आविर्भाव।
16	31 दिसम्बर	मंगलवार	श्रील लोचनदास ठाकुर का आविर्भाव।
18	2 जनवरी	गुरुवार	श्रीश्रील जीव गोस्वामी प्रभु का तिरोभाव।
26	10 जनवरी	शुक्रवार	**पुत्रदा एकादशी – उपवास।** (द्वादशी—शुक्रवार सुबह 09.38 से शनिवार सुबह 07.44 तक; तुलसी चयन निषेध। *(हरिभक्तिविलास 13/287 के अनुसार जयन्ती महाद्वादशी के लिए द्वादशी सूर्यास्त तक होनी चाहिए। किन्तु 11 जनवरी को द्वादशी सुबह 07.44 पर समाप्त हो रही है, इसलिए जयन्ती महा द्वादशी का योग नहीं बन रहा है। कृपया आज 10 जनवरी को शुद्ध एकादशी व्रत करें।*
27	11 जनवरी	शनिवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 07.44 से पहले पारण। श्रीश्रील जगदीश पण्डित जी का तिरोभाव। *(जगद्गुरु श्रील प्रभुपाद जी के समय में प्रकाशित सज्जनतोषणी पत्रिका एवं व्रत पंजिका में नारायण मास की शुक्ला द्वादशी तिथि अर्थात् आज की तिथि में श्रील जगदीश पण्डित जी का तिरोभाव वर्णित है।)*
28	12 जनवरी	रविवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति

103वीं व्यास पूजा

			कुमुद सन्त गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।(विद्धाहेतु) । श्रीकृष्ण की पुष्य-अभिषेक यात्रा। (पुष्या नक्षत्र योग में अभिषेक महोत्सव)।
29	13 जनवरी	सोमवार	**पूर्णिमा**।

माधव – 30 दिन

1	14 जनवरी	मंगलवार	**मकर संक्रान्ति**। गंगासागर स्नान। सूर्य दक्षिणायन समाप्त।
3	16 जनवरी	गुरुवार	श्रीश्रील गोपालभट्ट गोस्वामी जी का आविर्भाव। श्रीश्रील रामचन्द्र कविराज जी का तिरोभाव। श्रीश्रील प्रभुपादाश्रित श्रीमद् नयनानन्द दास बाबाजी महाराज का तिरोभाव।
4	17 जनवरी	शुक्रवार	श्रीश्रील प्रभुपादाश्रित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति सम्बन्ध तुर्याश्रमी गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
6	19 जनवरी	रविवार	श्रीश्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीनरहरि सेवाविग्रह प्रभु का तिरोभाव एवं त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति वैभव पुरी गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
7	20 जनवरी	सोमवार	श्रील जयदेव गोस्वामी जी का तिरोभाव।
10	23 जनवरी	गुरुवार	श्रीश्रील लोचनदास ठाकुर जी का तिरोभाव।
12	25 जनवरी	शनिवार	**षट्तिला एकादशी उपवास**। (द्वादशी—शनिवार सायं 6.35 से रविवार रात्रि 7.25 तक; तुलसी चयन निषेध है)।
13	26 जनवरी	रविवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 10.02 से पहले पारण। त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम महाराज जी का आविर्भाव।
16	29 जनवरी	बुधवार	अमावस्या। त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति वेदान्त नारायण गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
17	30 जनवरी	गुरुवार	श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति गौरव वैखानस गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
18	31 जनवरी	शुक्रवार	श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति शरण शान्त गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
21	3 फरवरी	सोमवार	**बसंत पंचमी।** गौर-शक्ति श्रीविष्णुप्रिया देवी जी का आविर्भाव। सरस्वती पूजा। श्रील पुण्डरीक विद्यानिधि, श्रील रघुनाथदास गोस्वामी एवं श्रील रघुनन्दन ठाकुर जी का आविर्भाव। श्रील विश्वनाथ चक्रवर्ती ठाकुर जी का तिरोभाव। श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विवेक भारती गोस्वामी महाराज जी तथा त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद् भक्ति स्वरूप पर्वत गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव। पूज्यपाद त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति कमल गोविन्द महाराज जी का आविर्भाव।
23	5 फरवरी	बुधवार	**श्रीअद्वैत सप्तमी व्रतोपवास।** महाविष्णु अवतार श्रीअद्वैताचार्य जी का आविर्भाव। (सप्तमी विद्धाहेतु)।

24	6 फरवरी	गुरुवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 10.01 से पहले पारण। जगद्गुरु श्रीश्रील मध्वाचार्य जी का तिरोभाव।
25	7 फरवरी	शुक्रवार	जगद्गुरु श्रीश्रील रामानुजाचार्य जी का तिरोभाव।
26	8 फरवरी	शनिवार	**जया (भैमी) एकादशी उपवास।** आगामी कल वराह भगवान का आविर्भाव होने के कारण आज ही उनका उपवास है। (द्वादशी—शनिवार रात्रि 9.20 से रविवार रात्रि 8.06 तक; तुलसी चयन निषेध)। श्रीश्रील केशव भारती का आविर्भाव।
27	9 फरवरी	रविवार	**श्रीवराह द्वादशी।** श्रीवराहदेव की अर्चन के बाद पूर्वाह्ण (सुबह) 10.01 से पहले पारण।
28	10 फरवरी	सोमवार	**श्रीनित्यानन्द – त्रयोदशी उपवास।** आसाम प्रदेश के गौड़ीय वैष्णव श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित श्रीनिमानन्द सेवातीर्थ प्रभु का तिरोभाव। श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति मयूख भागवत गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
29	11 फरवरी	मंगलवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 10 बजे से पहले पारण।
30	12 फरवरी	बुधवार	**माघी पूर्णिमा।** श्रीकृष्ण का मधुरोत्सव। श्रीमन् महाप्रभु की संन्यास ग्रहण लीला। श्रील नरोत्तम ठाकुर का आविर्भाव।

गोविन्द – 30 दिन

3	15 फरवरी	शनिवार	**श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के प्रतिष्ठाता – नियामक श्रील प्रभुपाद – अंतरंग पार्षद आचार्य – भास्कर जगद्गुरु नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद 108श्री श्रीमद् भक्ति प्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज जी की 127वीं वर्ष पूर्ति आविर्भाव तिथि पूजा एवं श्रीव्यास पूजा महोत्सव।** श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ एवं श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के अन्य शाखा मठों में श्रीश्रीव्यास पूजा महोत्सव आरम्भ।
5	17 फरवरी	सोमवार	श्रील पुरुषोत्तम ठाकुर का तिरोभाव। **जगद्गुरु परमहंस स्वामी वैष्णवाचार्य – कुलशिरोमणि ॐ विष्णुपाद 108श्री श्रीमद् भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद जी की 151वीं वर्ष पूर्ति आविर्भाव तिथि – पूजा एवं श्रीश्रीव्यास पूजा महोत्सव।** श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति भूदेव श्रौती गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
6	18 फरवरी	मंगलवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति

127वीं व्यास पूजा

151वीं व्यास पूजा

			सारंग गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
12	24 फरवरी	सोमवार	**विजया एकादशी व्रत।** (द्वादशी—सोमवार रात्रि 10.44 से मंगलवार रात्रि 10.28 तक; तुलसी चयन निषेध)।
13	25 फरवरी	मंगलवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 9.57 से पहले पारण।
15	27 फरवरी	गुरुवार	**श्रीशिव चतुर्दशी व्रत।**
16	28 फरवरी	शुक्रवार	**अमावस्या।** सूर्योदय के बाद पूर्वांचल में पूर्वाह्ण (सुबह) 06.56 से पहले पारण और पश्चिम अंचल में सुबह 10.39 से पहले पारण।
17	1 मार्च	शनिवार	श्रील रसिकानन्द प्रभु, वैष्णव सार्वभौम श्रील जगन्नाथदास बाबाजी महाराज एवं श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव। (*गत कल प्रतिपद तिथि विद्धा थी, इसलिए तिरोभाव तिथि को आज पालन करना उचित है)।*
19	3 मार्च	सोमवार	श्रील पुरुषोत्तम ठाकुर का आविर्भाव।
20	4 मार्च	मंगलवार	श्रीश्रील प्रभुपाद – अनुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति विवेक भारती गोस्वामी महाराज जी का आविर्भाव।
22	6 मार्च	गुरुवार	श्रीश्रील प्रभुपादानुकम्पित त्रिदण्डिस्वामी श्रीमद् भक्ति वैभव पुरी गोस्वामी महाराज जी का तिरोभाव।
24	8 मार्च	शनिवार	श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ की 83वीं वार्षिक श्रीनवद्वीप धाम परिक्रमा का संकल्प ग्रहण।
25	9 मार्च	रविवार	**श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ की 83 वीं वार्षिक श्रीनवद्वीप धाम परिक्रमा का प्रथम दिवस।**
26	10 मार्च	सोमवार	**आमलकी एकादशी उपवास।** (द्वादशी—सोमवार सुबह 09.50 से मंगलवार सुबह 09.31 तक; तुलसी चयन निषेध)।
27	11 मार्च	मंगलवार	सुबह 09.31 से पहले पारण। श्रीश्रील माधवेन्द्र पुरीपाद एवं श्रीश्रील हृदयानन्द गोस्वामी जी का तिरोभाव।
29	13 मार्च	गुरुवार	श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ की 83वीं वार्षिक श्रीनवद्वीप धाम परिक्रमा समाप्त। श्रीगौर – जन्मोत्सव का अधिवास कीर्तन। संध्या में वन्ह्युत्सव।
30	14 मार्च	शुक्रवार	कलियुग पावन अवतारी श्रीश्रीगौरांग महाप्रभु जी का शुभ आविर्भाव। **श्रीगौर पूर्णिमा। श्रीगौर जयन्ती व्रतोपवास।** संकीर्तन महोत्सव। श्रीश्रीराधाकृष्ण की दोल – यात्रा।

श्रीगौराब्द : – 539, विष्णु			
1	15 मार्च	शनिवार	पूर्वाह्ण (सुबह) 9.48 से पहले पारण। श्रीदेवानन्द गौड़ीय मठ, नवद्वीप में महामहोत्सव। श्रीश्रीजगन्नाथ मिश्र जी का आनन्दोत्सव।

ॐ विष्णुपाद १०८श्रीश्रीमद् भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज जी की उपदेशावली

१. हरि-गुरु-वैष्णवों की **सेवा की वस्तुओं के प्रति 'अपनापन'** नहीं रहने से भगवान की कृपा प्राप्त करने की सम्भावना कहाँ है? 'हरि-गुरु-वैष्णवों की व्यवहार्य वस्तुएँ नष्ट होती हैं तो हो जायें लेकिन मेरी चीज़ ठीक रहे'—इस प्रकार की बुद्धि सेवा-बुद्धि नहीं है। जगत की सभी वस्तुएँ भले ही ध्वंस हो जाएँ परन्तु हरि-गुरु-वैष्णव सेवा की वस्तुओं को कणमात्र भी मैं ध्वंस नहीं होने दूँगा—यही है असली सेवक का लक्षण।

२. सैनिकों की जीवनयात्रा किस प्रकार है देखिए—वे स्त्री-पुत्र, पिता-माता, भाई-बन्धुओं के कुछ अस्थायी भोगविलास के लिए महीने के कुछ मामूली रुपयों के बदले अपने जीवन का बलिदान तक करने के लिए तैयार रहते हैं। वे एक क्षण में मातृस्नेह, पितृस्नेह और स्वजन-प्रीति सभी को विसर्जन देकर प्राण त्यागने का संकल्प तक कर लेते हैं। लेकिन हम हरि-गुरु-वैष्णव सेवा के लिए कितना करते हैं? जिन साधु-गुरु-वैष्णवों की प्रीति के द्वारा मेरे लिए अनन्तकाल तक अशेष सुख-सम्पद की व्यवस्था हो जायेगी, उनके लिए प्राणों का बलिदान देना तो दूर, मामूली कष्ट सहन करने को भी हम तैयार नहीं हैं। क्या यही **हरि-गुरु-वैष्णवों के सेवक का लक्षण** है? जो वैष्णव-सेवा के लिए प्राणों को न्यौछावर करने के लिए बिन्दुमात्र भी संकोच नहीं करते हैं, उनका हृदय कितना उदार है, कितना बड़ा है और कितना महान है। हम समय आने पर सेवक की हरि-गुरु-वैष्णवों के प्रति कितनी प्रीति है, उसे समझ लेते हैं।

३. **''भक्तेर हृदये सदा गोविन्देर विश्राम''** (अर्थात् भक्त के हृदय में हमेशा गो. विन्द विश्राम करते हैं)। यहाँ 'विश्राम' शब्द का विशेष तात्पर्य है। कामी व्यक्तियों की कामना पूरी करते-करते भगवान् परेशान और थक जाते हैं। किन्तु भक्त के हृदय में किसी प्रकार की कामना-वासना नहीं रहने पर भगवान् वहाँ विश्राम करते हैं। वसुदेव जगत को शिक्षा दे रहे हैं—कामना-वासना रहित नहीं होने पर भगवान् की ऐकान्तिक उपासना संभव नहीं है—हृदय को निष्काम करना होगा; अन्यथा जन्म-मरण की माला समाप्त नहीं होगी।

४. अक्षय तृतीय के दिन ही सत्ययुग की उत्पत्ति हुई थी। सत्ययुग में प्रत्येक वस्तु ही सोलह आने 'सत्य' है,—ऐसा विचार था। उस समय 'मिथ्या' का बिल्कुल भी प्रचार नहीं था। सत्ययुग के लोगों को 'जगत सत्य है'—ऐसा ही पता था। वे 'जगत मिथ्या'-वाद को स्वीकार नहीं करते थे। इसी को घ्यान में रखकर सत्ययुग के उत्पत्ति-दिवस—**अक्षय तृतीय में श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति की प्रतिष्ठा** (सन् 1940 में) की गयी। अक्षय तृतीय में समस्त प्रकार के धर्म पूर्ण रूप से विकसित और अधर्म का मिथ्यावाद विलुप्त था। इसीलिए इस समिति ने जगत में सत्य का प्रचार और मिथ्यावाद को ध्वंस करने का व्रत लिया है।

—'केसरी-श्रीकेशव-वाणी' ग्रन्थ से उद्धृत

श्रीधाम मायापुर में जगद्गुरु श्रील प्रभुपाद भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर एवं श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति के संस्थापक-आचार्य श्रीश्रीमद् भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज जी (बाएँ से द्वितीय) सहित बंगाल के तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर जॉन एंडरसन।

श्रीगौड़ीय वेदान्त समिति से प्रकाशित शुद्ध भक्ति हिन्दी ग्रन्थावली

श्रीगौरकिशोरदास बाबाजी महाराज
केसरी-श्रीकेशव-वाणी (हरिकथा)
श्रीकेशव गोस्वामी दिव्य पत्रावली
श्रीवामन गोस्वामी पत्रामृत
श्रीवामन गोस्वामी प्रबन्धावली
श्रीवामन गोस्वामी उपदेशामृत
श्रीवामन गोस्वामी हरिकथामृत
श्रीवामन गोस्वामी लीलामृत
श्रीगुरुकथामृत
श्रीपुरी धाम एवं क्षेत्र मण्डल
श्रीमद्भगवद्गीता (पॉकेट संस्करण)
श्रीहरिवासर-व्रतकथा
भगवान् श्रीनृसिंहदेव
श्रीगौड़ीय-गीतिगुच्छ
अर्चन-दीपिका
चेतना का जागरण (गो-सेवा)
भगवान् श्रीकृष्ण की जन्मलीला
VANI VIGRAHA (ENG MAG)